# अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : सातवीं – जैन धर्म कोविद (परीक्षा 30 जून, 2013)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

**रोल नं.:** (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

**परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :**

**केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर**

**परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–**

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

**जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–**

| प्रश्न क्र. | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | कुल योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्राप्तांक | | | | | | | |
| पूर्णांक | 10 | 10 | 10 | 10 | 24 | 36 | 100 |
| पुनः जाँच | | | | | | | |

**जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर**

**प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :-** **10x1=(10)**

(a) **'तोता' खेचर के किस भेद का पक्षी है -**

**(क) चर्म पक्षी** **(ख) रोम पक्षी**

**(ग) समुग्ग पक्षी** **(घ) वितत पक्षी** ( )

(b) **कितने निदान से जीव केवली प्ररूपित धर्म नहीं सुन सकता -**

**(क) एक** **(ख) दो**

**(ग) तीन** **(घ) चार** ( )

(c) **दिव्य ध्वनि कौनसा प्रातिहार्य है -**

**(क) आठवाँ** **(ख) सातवाँ**

**(ग) छट्ठा** **(घ) पाँचवाँ** ( )

(d) **गायब्भंग का अर्थ होता है -**

**(क) बिना कारण मालिश करना** **(ख) अगर आदि का धूप करना**

**(ग) जुलाब लेना** **(घ) अंगों का छेदन करना** ( )

(e) **तीर्थकरनाम प्रकृति, किस कर्म के उदय से प्राप्त होती है -**

**(क) मोहनीय** **(ख) आयु**

**(ग) नाम** **(घ) गोत्र** ( )

(f) **'बहुजण' प्रायश्चित्त का है -**

**(क) गुण** **(ख) भेद**

**(ग) दोस** **(घ) प्रतिसेवना** ( )

(g) **स्कन्धक अणगार का वर्णन किस आगम में है -**

**(क) अंतगड़ सूत्र** **(ख) दशवैकालिक सूत्र**

**(ग) दशाश्रुतस्कंध** **(घ) भगवती सूत्र** ( )

(h) **'परिमण्डल' किसका भेद है -**

**(क) वर्ण** **(ख) गन्ध**

**(ग) स्पर्श** **(घ) संस्थान** ( )

**(i) 'खुड्डियायारकहा' दशवैकालिक सूत्र का कौनसा अध्ययन है -**

**(क) चौथा** **(ख) तीसरा**

**(ग) दूसरा** **(घ) पहला** ( )

(j) निम्न में से कौनसी प्रकृति नामकर्म की नहीं है -

(क) देव गति (ख) देवानुपूर्वी

(ग) मनुष्यायु (घ) मनुष्यानुपूर्वी ( )

**प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- 10x1=(10)**

(a) पाप अठारह प्रकार से बंधता है एवं बयालीस प्रकार से भोगा जाता है। ( )

(b) तेगिच्छं का अर्थ पासों से खेलना है। ( )

(c) भयंकर दावाग्नि आपके भक्तजनों का कुछ भी अनिष्ट नहीं कर सकती है। ( )

(d) गुरू से सूत्र और अर्थ पढ़ना अनुप्रेक्षा स्वाध्याय है। ( )

(e) 'अनाभोग' प्रतिसेवना प्रायश्चित्त का भेद है। ( )

(f) 'अन्यत्व भावना' मृगापुत्र जी ने भाई थी। ( )

(g) मुनि शीतकाल में सूर्य की आतापना लेते हैं। ( )

(h) राग-द्वेष से जीव-अजीव को स्पर्श करने से 'पुट्ठिया' क्रिया लगती है। ( )

(i) भगवती सूत्र में निदान के नौ रूप बताये हैं। ( )

(j) अनाशातना विनय के 134 भेद होते हैं। ( )

**प्र.3 मुझे पहचानो :- 10x1=(10)**

(a) भूख से कम खाने पर मेरी आराधना होती है। .....

(b) जहां जहां भगवान चरण रखते हैं, वहां वहां देवगण मेरी रचना करते हैं। .....

(c) मेरे द्वारा शरीर में रही हुई अपनी आत्मा में पंच परमेष्ठी के गुणों का चिन्तन होता है। .....

(d) मैं शरीर की शोभा हेतु अंजन, मालिस, विभूषा आदि का आचरण नहीं करता। .....

(e) मेरी प्रभा करोड़ों सूर्य के समान होते हुए भी आतप देने वाली नहीं होती। .....

(f) मैं विनय का एक प्रकार हूँ जिसके सात भेद होते हैं। .....

(g) यादव कुमारों ने मरे हुए सर्प को मेरे ऊपर डाल दिया। .....

(h) कुल, जाति आदि बताकर जीविका चलाने से मेरा (अनाचीर्ण) सेवन होता है। .....

(i) मैं आत्मा के साथ कर्म-वर्गणा का सम्बन्ध होकर क्षीर-नीर की तरह एकमेक होने पर होता हूँ। .....

(j) जीव मात्र के रक्षक मुनि अन्त में मेरी प्राप्ति करते हैं। .....

**प्र.4 प्रश्न एवं उत्तर दोनों क्रम से नहीं दिये हुए हैं, आप उत्तर की जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए :-** **10x1=(10)**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (a) | सारस्वत | - | गुल्म | ..... |
| (b) | सचित्त | - | क्रिया | ..... |
| (c) | वनस्पति | - | महर्षि | ..... |
| (d) | प्रातिहार्य | - | अक्षोभ | ..... |
| (e) | धूवणे | - | लोकांतिक देव | ..... |
| (f) | आणवणिया | - | आलोचना | ..... |
| (g) | सागर | - | स्वाध्याय | ..... |
| (h) | प्रायश्चित्त | - | काला नमक | ..... |
| (i) | महेसिणो | - | धूप करना | ..... |
| (j) | धर्मकथा | - | पुष्प-वृष्टि | ..... |

**प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए :-** (कोई 12) **12x2=(24)**

**निम्न गाथाओं को पूर्ण कीजिए :-**

(a) **गिहिणो** .....

..... **य।।**

(b) **सव्वमेय** .....

..... **विहारिणं।।**

(c) **रक्तेक्षणं** .....

..... **यस्य पुंसः।।**

(d) **नव तत्त्व को जानने से क्या लाभ हैं ?**

.....

.....

(e) **निम्न की परिभाषा लिखिए - (कोई दो)**

**1. रति-अरति, 2. प्रतिसंलीनता, 3. इरियावहिया**

.....

.....

(f) **कुबेर द्वारा द्वारिका का निर्माण किस प्रकार के पुद्गलों द्वारा किया गया ?**

.....

.....

(g) **प्रायश्चित्त लेने वाले के प्रथम चार गुण लिखिए।**

.....

.....

(h) **निम्न में से किन्हीं चार शब्दों के अर्थ लिखिए -**

**नालीए .....** **रायपिंडे .....**

**अवाउडा .....** **ताइणो .....**

**सिणाणे .....**

(i) **महासंग्राम में भी किसकी आसानी से विजय हो जाती है ?**

.....

.....

(j) **महाराज ! तुम्हारा भाई राज्य करता है और तुम झोली लिए घर पर फिरते हो। ये वाक्य किसने किसको कहा ?**

.....

.....

(k) **आयु कर्म की पुण्य प्रकृतियों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(l) **प्रथम चार अनाचीर्ण लिखिए।**

.....

.....

(m) **यावत्कथित अनशन के तीन भेद लिखिए।**

.....

.....

**प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए :- (कोई 12) 12x3=(36)**

**निम्न रिक्त स्थान पूर्ण करते हुए उसका भावार्थ भी लिखिए-**

(a) **आयावयंति** .....

.....**सुसमाहिया।।**

**भावार्थ :-** .....

.....

.....

.....

(b) **खवित्ता पुव्व** .....

.....**परिनिव्वुडे।।**

**भावार्थ :-** .....

.....

.....

.....

(c) **भिन्नेभ** .....

..... **संश्रितं ते।।**

**भावार्थ :-** .....

.....

.....

.....

(d) **आपाद कण्ठ** .....

..... **भवन्ति।।**

**भावार्थ :-** .....

.....

.....

.....

(e) **नव ग्रैवेयक देवों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

(f) **प्रतिमाधारी साधु कितनी प्रकार से भिक्षा लेते हैं ?नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

(g) **विनय किसे कहते हैं ?इसके 7 भेदों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

(h) **कैसे महर्षि दुःख-मुक्ति के लिए आत्म-साधना में अपनी शक्ति लगाते हैं ?**

.....

.....

.....

(i) **खेचर किसे कहते हैं?इसके भेदों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

(j) **सिद्धों का अल्प बहुत्व द्वार लिखिए।**

.....

.....

.....

(k) **सोमिल ने गजसुकमाल मुनि को कष्ट दिया उससे उनके नवीन कर्मो का बन्ध हुआ या नहीं ? समझाइए।**

.....

.....

.....

(l) **धर्म ध्यान के चार लक्षण लिखिए।**

.....

.....

.....

(m) **अनाचीर्ण किसे कहते हैं ?इनके सेवन से क्यों बचना चाहिए ?**

.....

.....

.....